



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 04 जून, 2026

जारी करने का समय: 1330 घंटे

विषय: (i) दक्षिण-पश्चिम मानसून आज, 4 जून 2026 को केरल में शुरू हो गया है।

ii) केरल और कर्नाटक में अगले 7 दिनों के दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) होने की प्रबल संभावना है, और तमिलनाडु में भी अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। उत्तर-पूर्वी भारत में अगले 5-6 दिनों तक भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है।

(iii) अगले 2-3 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के साथ मध्यम से गंभीर गरज के साथ तूफान आने की संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 की प्रगति (अनुलग्नक I):

- ❖ दक्षिण-पश्चिम मानसून आज 4 जून, 2026 को दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के शेष भागों, पश्चिम-मध्य और पूर्व-मध्य अरब सागर के कुछ भागों, संपूर्ण लक्षद्वीप द्वीप समूह, केरल और माहे, कर्नाटक और तमिलनाडु के कुछ भागों, कोमोरिन क्षेत्र के शेष भागों, दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-मध्य, पूर्व-मध्य और उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के कुछ और भागों में आगे बढ़ गया है।
- ❖ मानसून की उत्तरी सीमा 4 जून 2026 को 14°N/60°E, 13.5°N/65°E, 13°N/70°E, मंगलौर, उथगमंडलम, कोडाइकनाल, थूथुकुडी, 8.8°N/79°E, 11°N/83°E, 14.5°N/87°E, 17.5°N/90°E, 20°N/93°E, 22° उत्तर/95° पूर्व से होकर गुजरती है।
- ❖ अगले 2-3 दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के मध्य अरब सागर के कुछ और हिस्सों, पूरे गोवा, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों, कर्नाटक के कुछ और हिस्सों, तमिलनाडु के शेष हिस्सों, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, पश्चिम-मध्य, पूर्व-मध्य और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों और उत्तर-पूर्वी राज्यों के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ हैं।

आज, 04 जून, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में छिटपुट स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ असम और मेघालय, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, पश्चिम बंगाल और सिक्किम, ओडिशा, पश्चिमी मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, रायलसीमा, केरल और माहे में छिटपुट स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना में छिटपुट स्थानों पर 60-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक हुई; कोंकण, मराठवाड़ा, उत्तराखंड, विदर्भ, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, झारखंड, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, असम और मेघालय, ओडिशा, पूर्वी मध्य प्रदेश और तटीय आंध्र प्रदेश में छिटपुट स्थानों पर 40-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश और मध्य महाराष्ट्र में छिटपुट स्थानों पर ओलावृष्टि हुई।
- ❖ राजस्थान में छिटपुट स्थानों पर धूल भरी आंधी आई।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ दिन/अधिकतम तापमान (03-06-2026 तक): कल, मध्य और उससे सटे पूर्वी भारत, उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत, दक्षिण-पश्चिम राजस्थान, सौराष्ट्र और कच्छ तथा आंतरिक महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान 38-44°C के बीच रहा, जबकि देश के अन्य हिस्सों में यह 38°C से नीचे रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 44.0°C ब्रह्मपुरी (महाराष्ट्र) में दर्ज किया गया।
- ❖ दिन/अधिकतम तापमान में अंतर (03-06-2026 तक): कल, जम्मू-कश्मीर, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, कोंकण, असम और मेघालय, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6 से 3.0°C) रहा, जबकि देश के शेष हिस्सों में यह सामान्य से कम या सामान्य के आसपास रहा।
- ❖ बिहार, सौराष्ट्र और कच्छ में रात्रि तापमान/न्यूनतम तापमान (04-06-2026 तक) सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) था; जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तरी पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात क्षेत्र, पश्चिम बंगाल, असम, विदर्भ, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) था और देश के शेष भागों में सामान्य से कम या सामान्य के आसपास था।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक II एवं III देखें):

- ❖ उत्तरी पाकिस्तान और उसके आसपास के क्षेत्रों में, समुद्र तल से ऊपर निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों के बीच, एक पश्चिमी विक्षोभ (ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण) स्थित है।
- ❖ मध्य पाकिस्तान और उसके आसपास के क्षेत्रों में, निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर एक प्रेरित ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ मध्य पाकिस्तान और उसके आसपास के क्षेत्रों में स्थित ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण से उत्तर-पूर्वी अरब सागर तक निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर एक गर्त फैला हुआ है।
- ❖ उत्तरी हरियाणा और उसके आसपास के क्षेत्रों में, निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों के बीच एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ मध्य उत्तर प्रदेश में, निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और उससे सटे बिहार में, निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ पूर्वी मध्य अरब सागर से सटे कोंकण और गोवा में, निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों के बीच एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ दक्षिण तेलंगाना और उससे सटे तटीय आंध्र प्रदेश और यनम के ऊपर निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 6-7 जून के दौरान असम और मेघालय में हल्की से मध्यम बारिश, गरज के साथ तूफान, मध्यम बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है। 5-7 जून के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी यही संभावना है। 4-5 जून के दौरान असम और मेघालय में भी तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 5 और 10 जून को अरुणाचल प्रदेश में, 4-5 जून और 10 जून को असम और मेघालय में, 5-10 जून के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। 4 जून और 6-9 जून

के दौरान अरुणाचल प्रदेश में और 6-9 जून के दौरान असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश की भी संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 4 जून को तेलंगाना में गरज, बिजली और तेज हवाओं (50-60 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 4 से 8 जून तक, केरल, माहे और लक्षद्वीप में 4 से 5 जून तक, तेलंगाना में 5 से 8 जून तक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 30-40 किमी प्रति घंटा की गति तक तेज हवाएं चलने की संभावना है।
- ❖ 4 जून और 8 से 10 जून के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में, 4 से 6 जून के दौरान लक्षद्वीप में और 4 जून और 6 से 10 जून के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में छिटपुट भारी बारिश होने की संभावना है। दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 4 से 10 जून के दौरान; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 4 से 5 जून और 9 से 10 जून के दौरान; रायलसीमा में 4 से 5 जून के दौरान; तेलंगाना में 5 से 8 जून के दौरान, साथ ही तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 5 से 7 जून के दौरान; तटीय कर्नाटक और केरल और माहे में 4 से 10 जून के दौरान; उत्तर आंतरिक कर्नाटक में 5 जून को छिटपुट रूप से बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 4 जून को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में छिटपुट से मध्यम बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएं (50-60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार तक) चलने की संभावना है; 4-5 जून के दौरान ओडिशा में भी यही स्थिति रहेगी; 5-8 जून के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार तक) चलने की संभावना है; 4-8 जून के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 4-7 जून के दौरान झारखंड में; 5 जून और 7-10 जून के दौरान बिहार में; 6-10 जून के दौरान ओडिशा में यही स्थिति रहेगी।
- ❖ 4-5 जून के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 4-10 जून के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट भारी बारिश की संभावना है।
- ❖ 4 जून को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में तथा 4-5 जून के दौरान ओडिशा में गरज के साथ तेज हवाएं (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की संभावना है।

उत्तर-पश्चिमी भारत:

- ❖ 4 से 6 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद में गरज, बिजली और तेज हवाओं (50-60 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं, 4 से 5 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 4 से 6 जून के दौरान 40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक तेज हवाएं चलने की संभावना है। 6 जून को हिमाचल प्रदेश में 30-40 किमी प्रति घंटा की गति तक तेज हवाएं चलने की संभावना है।
- ❖ 4 से 5 जून के दौरान पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गरज, बिजली और तेज हवाओं (50-60 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ छिटपुट बारिश होने की संभावना है। 5 जून को पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी यही स्थिति रहेगी। पश्चिमी राजस्थान में 4 जून को तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से) चलने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में 6 जून को भी तेज हवाएं चलेंगी; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 4 और 6 जून को भी तेज हवाएं चलेंगी; पश्चिमी राजस्थान में 5 जून को तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से) चलने की संभावना है।
- ❖ उत्तराखंड में 4-5 जून के दौरान छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद और उत्तराखंड में 4-5 जून के दौरान छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है; राजस्थान में 4 जून को भी ओलावृष्टि की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 4-5 जून के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में छिटपुट से मध्यम बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएं (50-60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार तक) चलने की संभावना है; 4 जून को विदर्भ में; 4-6 जून के दौरान छत्तीसगढ़ में भी यही स्थिति रहेगी। पश्चिमी मध्य प्रदेश में 6-8 जून के दौरान, विदर्भ में 5-8 जून के दौरान और छत्तीसगढ़ में 7-8 जून के दौरान तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 4-5 जून के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 4 जून को विदर्भ में; 4-6 जून के दौरान छत्तीसगढ़ में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की संभावना है।
- ❖ 4 जून को पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- ❖ 4 से 7 जून के दौरान कोंकण, गोवा और मराठवाड़ा में, 4 से 8 जून के दौरान मध्य महाराष्ट्र में, और 4 से 5 जून के दौरान गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ में छिटपुट से मध्यम हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 4 से 10 जून के दौरान कोंकण और गोवा में, 5 जून और 7 से 10 जून के दौरान मध्य महाराष्ट्र में छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत में 5 जून तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, उसके बाद 6 से 10 जून के दौरान धीरे-धीरे 3-5°C की वृद्धि होगी।
- ❖ पूर्वी भारत में 10 जून तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, सिवाय बिहार के जहां 6 जून तक अधिकतम तापमान में 2-3°C की वृद्धि होगी।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में 10 जून 2026 तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

ऊष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम की चेतावनी:

- ❖ बिहार में 6 से 8 जून के दौरान, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 7 से 10 जून के दौरान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 8 से 10 जून के दौरान कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर चलने की प्रबल संभावना है।
- ❖ ओडिशा में 4 से 8 जून के दौरान, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा तथा तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 4 से 5 जून के दौरान गर्म और आर्द्र मौसम रहने की संभावना है।

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 4 जून से 9 जून, 2026 के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

बंगाल की खाड़ी:मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन और मालदीव क्षेत्र, श्रीलंका के तट, उत्तरी तमिलनाडु के तट, दक्षिणी और उससे सटे मध्य बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर में 4 जून से 9 जून के दौरान मछली पकड़ने न जाएं।

अरब सागर:सोमालिया के तट और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम अरब सागर, दक्षिणी महाराष्ट्र, गोवा के तट, केरल, कर्नाटक, लक्षद्वीप के तट और उससे सटे मालदीव के समुद्री क्षेत्र में 4 जून से 9 जून के दौरान मछली पकड़ने न जाएं।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 04 से 07 जून 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ अरुणाचल प्रदेश: बासर_ एडब्ल्यूएस (जिला पश्चिम सियांग) 12, बासर (जिला पश्चिम सियांग) 12, योमचा एडब्ल्यूएस (जिला पश्चिम सियांग) 11, पासीघाट_ एयरो (जिला पूर्वी सियांग) 10, सेप्पा (जिला पूर्वी कामेंग) 7;
- ❖ असम और मेघालय: बदातीघाट (जिला लखीमपुर) 10, मजबत (जिला उदलगुरी) 8, नलबाड़ी (बरखेत्री_एडब्ल्यूएस) (जिला) नलबाड़ी) 8, नलबाड़ी/पग्लाडिया (जिला नलबाड़ी) 7;
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: पोर्ट ब्लेयर (जिला दक्षिण अंडमान) 11;
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: चेपन (जिला अलीपुरद्वार) 10, घाटिया टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 10, हिल्ला टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 8, त्रा नागराकाटा (जिला जलपाईगुड़ी) 8, बरोभीशा (जिला अलीपुरद्वार) 8, अलीपुरद्वार (पीटीओ) (जिला अलीपुरद्वार) 8, चेंगमारी/डायना (जिला जलपाईगुड़ी) 8, गंगटोक (जिला गंगटोक) 7, कुर्ती टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 7, डायना टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 7;
- ❖ तमिलनाडु: नलमुक्कु (जिला तिरुनेलवेली) 9, ऊथु (जिला तिरुनेलवेली) 8;
- ❖ केरल और माहे: पल्लुरुथी (जिला एर्नाकुलम) 9, मट्टनचेरी (जिला एर्नाकुलम) 8, कोच्चि आई.ए.एफ. (जिला एर्नाकुलम) 8, चेरथला (जिला अलापुझा) 8, वैकोम (जिला कोट्टायम) 7, कोट्टायम (जिला कोट्टायम) 7;
- ❖ रायलसीमा: नंदीकोटकुर (जिला नंद्याल) 7;
- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश: गैरतगंग (जिला रायसेन) 7;
- ❖ गांगेय पश्चिम बंगाल: मिदनापुर (जिला पश्चिम मिदनापुर) 7;

कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक (भारतीय समयानुसार) तेज हवाएं (किमी प्रति घंटा में):

- ❖ पश्चिमी राजस्थान: नागौर 80, बीकानेर 60;
- ❖ पूर्वी राजस्थान: सीकर 76, दौसा 46, अजमेर 43, जयपुर 46;
- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश: सीहोर 70;
- ❖ तेलंगाना: घटकेसर (रंगा_रेड्डी) 70, कावेरी_सिद्दीपेट (सिद्दीपेट) 61, प्रकाशम_जम्मीकुंटा (करीमनगर) 46;
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: सागर 56;
- ❖ गुजरात क्षेत्र: लूनावाड़ा 54;
- ❖ ओडिशा: पितापल्ली 52;
- ❖ असम और मेघालय: कॉलेज_ऑफ_हॉर्टिक्यूलर_फार्मिंग_सिस्टम_रिसर्च 52;
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम 50;
- ❖ झारखंड: सिंदेगा 50;
- ❖ सौराष्ट्र और कच्छ: तर्गडिया (राजकोट) 50;
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: जलगांव 50, कलवान (नासिक) 46, शहादा (नंदुरबार) 44;
- ❖ विदर्भ: यवतमाल 48;
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश: चिंतापल्ली 48;
- ❖ उत्तराखंड: मटेला 46, चमोली 41, ज्योलिकोट 33, कपकोट 33, पंतनगर 30, रानीचौरी 30;
- ❖ मराठावाड़ा: हिंगोली 44, लातूर 43, अंबेजोगाई (बीड) 31;
- ❖ कोंकण: देवगढ़ (सिंधुदुर्ग) 43, कर्जत (रायगढ़) 43

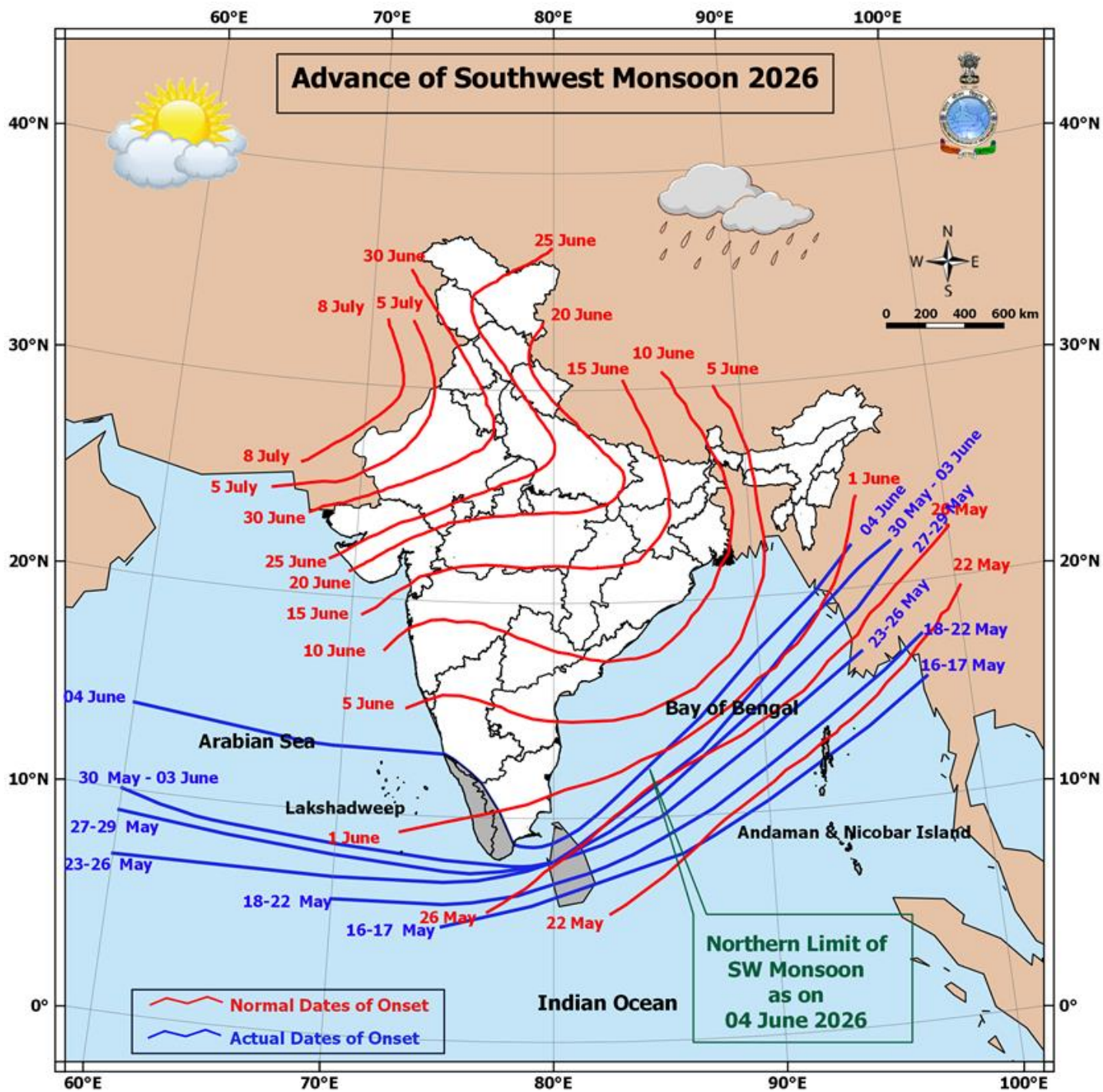
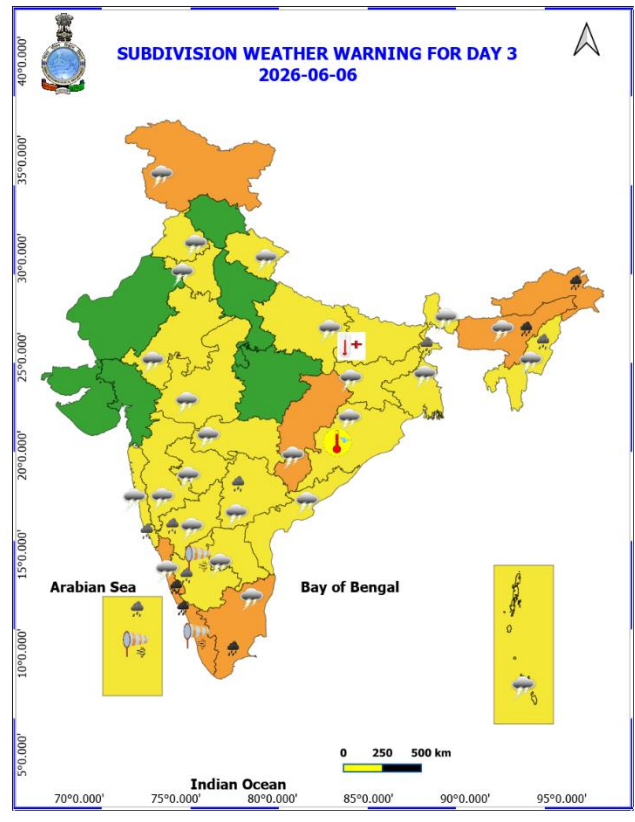
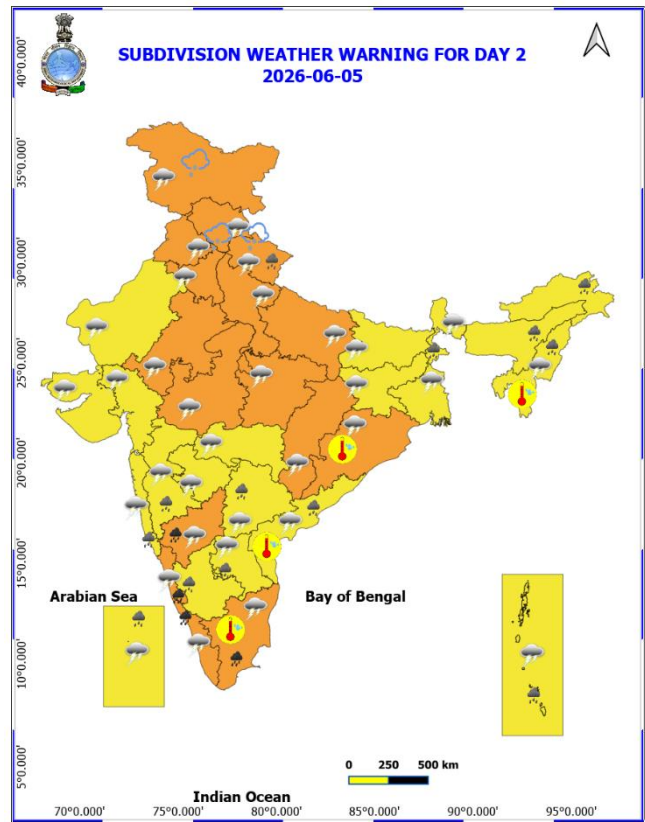
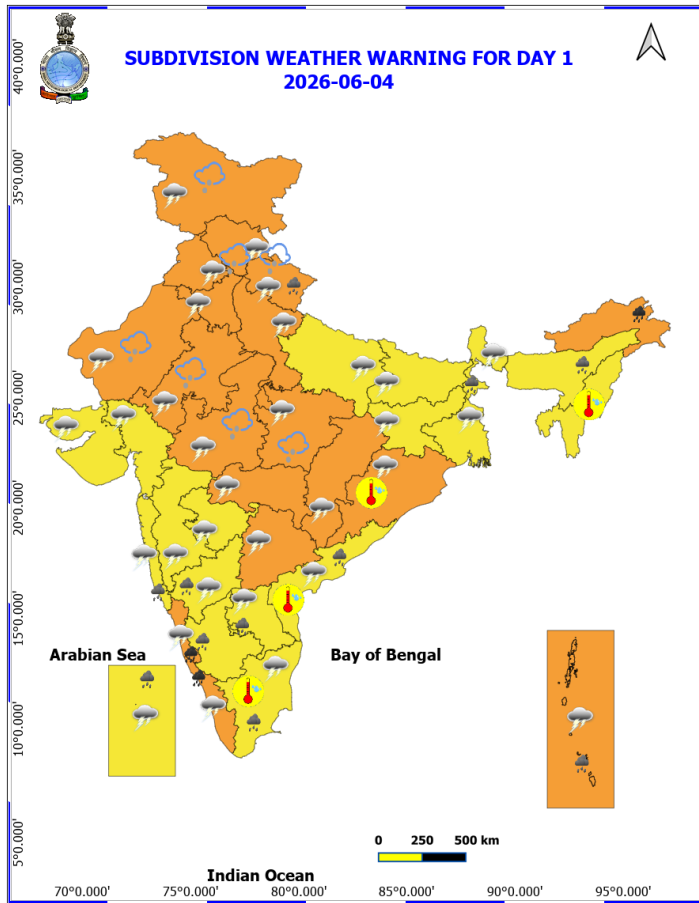
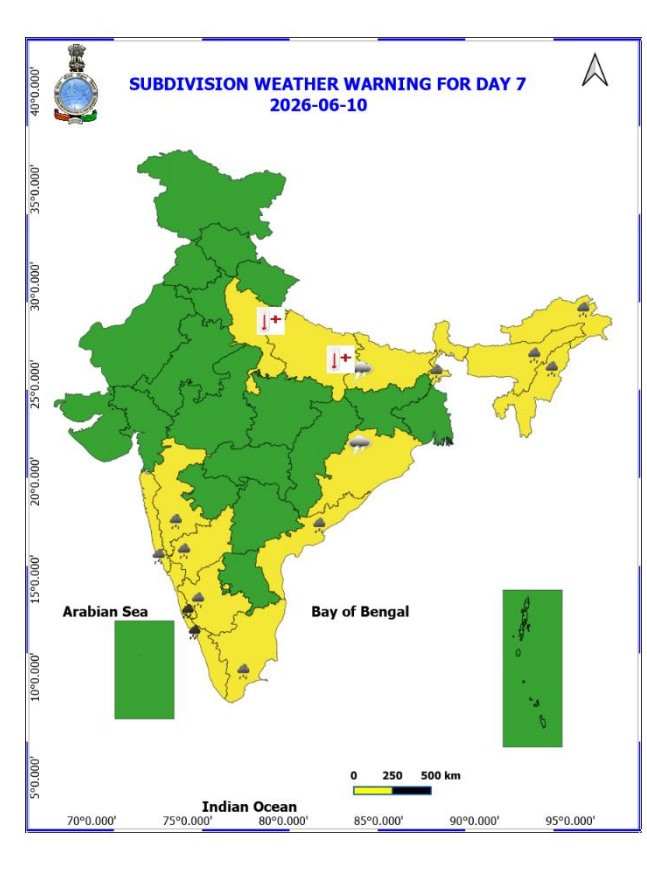
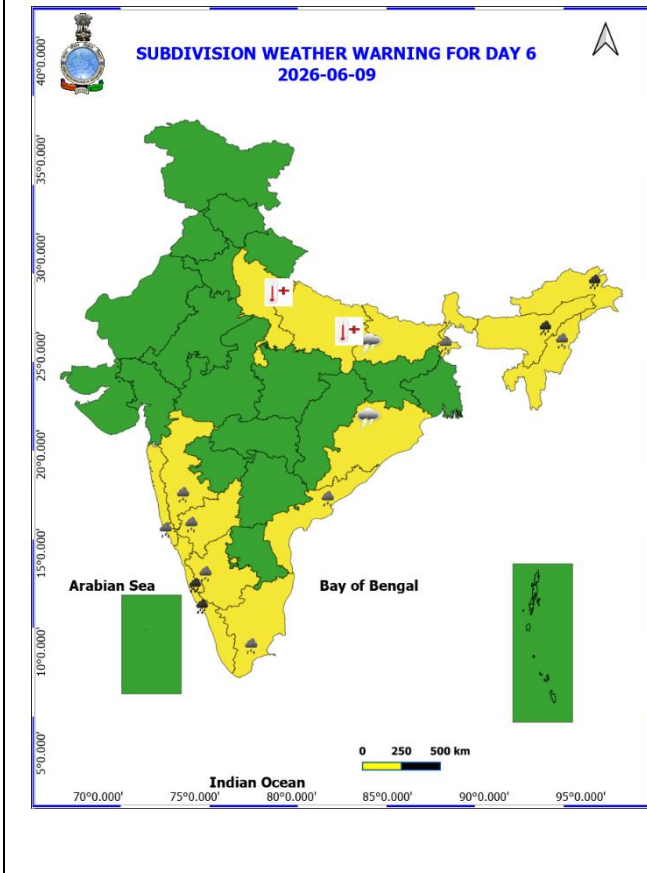
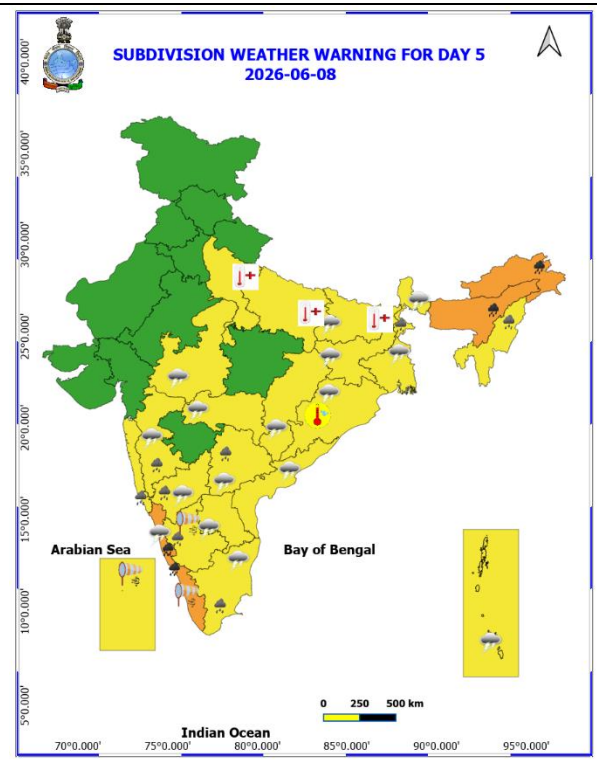
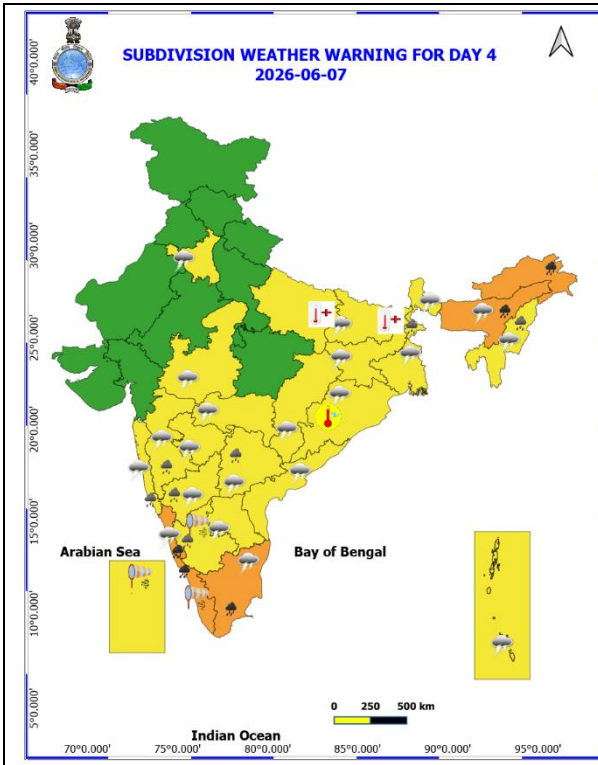


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	4- Jun	5- Jun	6- Jun	7- Jun	8- Jun	9- Jun	10- Jun
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT	SCT	FWS	FWS	WS	WS	WS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
7	ODISHA	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	ISOL
9	BIHAR	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL
14	PUNJAB	SCT	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WS	FWS	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
29	TELANGANA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

04 जून से 07 जून 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में 2-3°C तक और न्यूनतम तापमान में 2-3°C तक की वृद्धि हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 39-40°C की सीमा में और न्यूनतम तापमान क्रमशः 27-30°C की सीमा में रहे। न्यूनतम तापमान कुछ स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के शेष हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहे। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहे। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहे और हवा की गति 15 किमी प्रति घंटा रही। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में दक्षिण-पूर्व दिशा से सतह पर हवा की गति 10 किमी प्रति घंटा तक रहने और आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम पूर्वानुमान:

04.06.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, जो दोपहर होते-होते आमतौर पर बादलों से घिर जाएगा। दोपहर से शाम के बीच हल्की बारिश का एक दौर आ सकता है, जिसके साथ गरज/बिजली कड़कने/धूल भरी आंधी और तेज़ हवाएं चल सकती हैं, जिनकी गति 40-50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है और झोंकों में 60 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। रात के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश का एक और दौर आ सकता है, जिसके साथ गरज/बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं चल सकती हैं, जिनकी गति 40-50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है और झोंकों में 60 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 40°C से 42°C की सीमा में रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेंगे। दोपहर के समय सतह पर मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 15 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। शाम और रात के दौरान सतह पर हवा की गति बढ़कर 20 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी और यह दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलेगी।

05.06.2026: आसमान आमतौर पर बादलों से घिरा रहेगा। सुबह से दोपहर तक हल्की बारिश, गरज/बिजली और तेज़ हवाओं का एक दौर चलेगा, जिसमें हवा की रफ़्तार 40-50 kmph तक पहुँच सकती है और झोंकों में 60 kmph तक जा सकती है। शाम से रात तक बहुत हल्की बारिश, गरज/बिजली और तेज़ हवाओं का एक और दौर चलेगा, जिसमें हवा की रफ़्तार 40-50 kmph तक पहुँच सकती है और झोंकों में 60 kmph तक जा सकती है। दिल्ली में ज़्यादा से ज़्यादा और कम से कम तापमान क्रमशः 38°C से 40°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर कम से कम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर ज़्यादा से ज़्यादा तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी रफ़्तार सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह पर हवा की रफ़्तार बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 18 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय सतह पर हवा की रफ़्तार घटकर उत्तर-पूर्व दिशा से 10 kmph तक हो जाएगी।

06.06.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम तक बहुत हल्की/हल्की बारिश, गरज/बिजली और तेज़ हवाओं का एक दौर चलेगा, जिसमें हवा की रफ़्तार 40-50 kmph तक पहुँच सकती है और झोंकों में 60 kmph तक जा सकती है। दिल्ली में ज़्यादा से ज़्यादा और कम से कम तापमान क्रमशः 38°C से 40°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में कई जगहों पर कम से कम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और कई जगहों पर ज़्यादा से ज़्यादा तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी रफ़्तार सुबह के समय 10 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह पर हवा की रफ़्तार बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय सतह पर हवा की रफ़्तार बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 25 kmph तक हो जाएगी। 07.06.2026: आसमान ज़्यादातर साफ़ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39°C से 41°C और 26°C से 28°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और दिल्ली में कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से

1.5°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह पर हवा की गति बढ़कर पश्चिम दिशा से 25 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय सतह पर हवा की गति घटकर पश्चिम दिशा से 20 kmph तक हो जाएगी।

बिजली कड़कने/तेज़ हवाओं के साथ तूफान के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (40-50 kmph, जो 60 kmph तक पहुँच सकती हैं) के साथ तूफान आने और धूल भरी हवाएँ चलने की संभावना है।
- संभावित प्रभाव: पेड़ों की डालियाँ टूट सकती हैं और बड़े पेड़ उखड़ सकते हैं, सूखे पेड़ की डालियाँ गिर सकती हैं, खड़ी फसलों को नुकसान पहुँच सकता है, डालियाँ गिरने से बिजली और संचार लाइनों को हल्का से लेकर भारी नुकसान पहुँच सकता है, तेज़ हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान पहुँच सकता है, हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- जन सुरक्षा के लिए सलाह: मौसम के अपडेट और बिगड़ते हालात पर नज़र रखें, घर के अंदर ही रहें और बेवजह बाहर न निकलें, खिड़की-दरवाज़े मज़बूती से बंद कर लें, सुरक्षित जगहों पर पनाह लें और खुले इलाकों में न जाएँ, पेड़ों के नीचे पनाह न लें, कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही दीवारों के सहारे खड़े हों।

छिटपुट आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज़ हवाओं और ओलावृष्टि की आशंका के चलते संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 4-5 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद और उत्तराखंड में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है; राजस्थान में 4 जून को ओलावृष्टि की संभावना है।

संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज़ हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नज़र रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- ❖ केरल और कर्नाटक में अगले 7 दिनों के दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) होने की प्रबल संभावना है, और तमिलनाडु में भी अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। उत्तर-पूर्वी भारत में अगले 5-6 दिनों तक भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है।

संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

ऊष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ बिहार में 6 से 8 जून के दौरान, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 7 से 10 जून के दौरान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 8 से 10 जून के दौरान कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर चलने की बहुत अधिक संभावना है।

चेतावनी वाले क्षेत्र

- ❖ तेज़ तापमान और लू से जुड़ी बीमारियों के लक्षणों की संभावना उन लोगों में अधिक है, जो लंबे समय तक धूप में रहते हैं या भारी काम करते हैं।
- ❖ कमजोर लोगों (जैसे- शिशु, बुजुर्ग और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोग) के स्वास्थ्य के लिए यह एक बड़ी चिंता का विषय है।
- ❖ धूप में निकलने से बचें और खुद को ठंडा रखें। शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) न होने दें।
- ❖ पर्याप्त मात्रा में पानी पिएँ, भले ही आपको प्यास न लगी हो।
- ❖ शरीर में पानी की कमी पूरी करने के लिए ORS या घर पर बने पेय पदार्थ (जैसे- लस्सी, तोरानी/चावल का पानी, नींबू पानी, छाछ आदि) का सेवन करें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में फलों के बागानों और सब्जी वर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेलनेट या हेलकैप का उपयोग करें।

- जलभराव से बचने के लिए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **अरुणाचल प्रदेश** में, सब्जियों, मक्का और नर्सरी के खेतों में पानी की निकासी का उचित प्रबंध सुनिश्चित करें। WRC धान के लिए, नर्सरी की क्यारियों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु जल निकासी नालियों को खुला रखें। नई बोई गई नर्सरी की क्यारियों को पॉलीथीन शीट या पुआल की मल्ल से ढक दें।
- **असम** में, भारी बारिश के मौजूदा दौर के बाद बोरो धान की कटाई करें और पहले से काटी गई फसल को किसी सुरक्षित स्थान पर भंडारित करें। धान की नर्सरी की क्यारियों को पतली पॉलीथीन शीट से ढक दें। धान की नर्सरी, सब्जियों, केले, खट्टे फलों और पपीते के खेतों से अतिरिक्त पानी की त्वरित निकासी के लिए उचित प्रबंध सुनिश्चित करें।
- **मेघालय** में, मौसम साफ होने पर पके हुए केले के फलों की कटाई तुरंत कर लें। मक्का, अदरक, सब्जियों, केले और अन्य बागवानी फसलों के खेतों से बारिश के अतिरिक्त पानी को निकालने के लिए आवश्यक प्रबंध करें।
- **नागालैंड** में, बैंगन की रोपाई मुख्य खेत में करने में देरी करें। जिन पौधों की रोपाई पहले ही हो चुकी है, उनके लिए मक्का, सब्जियों और बागों के खेतों के अंदर और आस-पास जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें।
- **मणिपुर** में, यह सुनिश्चित करें कि धान के खेतों के चारों ओर मेड़ और बांध अच्छी तरह से बने हों, ताकि पानी का आवश्यक स्तर बना रहे; मिर्च, अदरक, हल्दी, केला और अन्य फसलों से अतिरिक्त वर्षा जल निकालने के लिए पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें।
- **मिजोरम** में, धान के खेतों के चारों ओर जल निकासी के लिए नालियाँ बनाएँ और बीजों को ढकने के लिए घास की मल्ल (mulch) का उपयोग करें। फल देने वाले या आंशिक रूप से झुके हुए पौधों/पेड़ों को सहारा दें। मक्का के पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें टेक (propping) लगानी चाहिए।
- **त्रिपुरा** में - पके हुए बोरो धान की कटाई तुरंत करें और कटी हुई फसल को भंडारण के लिए किसी सुरक्षित और सूखी जगह पर ले जाएँ।
- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह** में, नारियल के बागानों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और थालों के आस-पास पानी जमा होने से बचें।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम** में, वर्तमान भारी वर्षा दौर के बाद परिपक्व धान और मक्के की कटाई करें और पहले से ही काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। धान, मक्का, जूट और सब्जियों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। भिंडी की बुआई स्थगित करें।
- **तमिलनाडु** में, धान की नर्सरी, कपास, ज्वार और सब्जियों में पानी के जमाव को रोकने हेतु उचित जल निकासी बनाए रखें।
- **केरल** में केले, नारियल और अन्य सब्जियों के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें।
- **लक्षद्वीप** में, खड़ी फसलों के खेतों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी की व्यवस्था करें।
- **कर्नाटक** में, वर्तमान भारी वर्षा दौर के बाद परिपक्व धान की कटाई करें। धान के खेतों, सुपारी और आम के बगीचों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। टमाटर के पौधों को स्टेकिंग प्रदान करें।
- **आंध्र प्रदेश** में - धान, रबी मक्का, ज्वार, चना, मूंगफली, तिल, गन्ना, सब्जियाँ और फलों के बागों जैसी खड़ी फसलों में पर्याप्त नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करें।
- **तेलंगाना** में, आवश्यकतानुसार आम के बागों और सब्जियों की फसलों में सिंचाई करें।
- जिन क्षेत्रों में भारी वर्षा की संभावना है, विशेष रूप से **उत्तराखंड, कोंकण और गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र** में, खड़ी फसलों में सिंचाई रोक दें और फसल के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ओलावृष्टि/ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को स्वच्छ, साफ और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

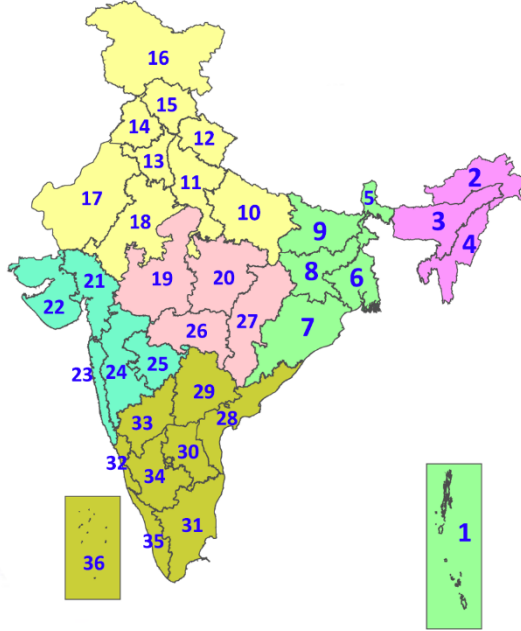
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Snow



Cold Wave



Heavy Rain



Dust Storm



Cold Day



Very Heavy Rain



Heat Wave



Ground Frost



Extremely Heavy Rain



Warm Night



Thunder & Lightning



Hot Day



Hailstorm



Hot & Humid



Dust Raising Winds



Strong Surface Winds

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions

Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)